कोरोना काल में शांति-सद्भावना और मानवीय मूल्य

बबीता नेगी / सुरेंद्र रावत

पुस्तिका सीरीज़–89

प्रकाशक :

isd **इंस्टीट्यूट फॉर सोशल डेमोक्रेसी**

फ्लैट नम्बर–110, नम्बरदार हाउस, 62–ए,

लक्ष्मी मार्केट, मुनिरका, नई दिल्ली–110067

टेलीफोन : 091–26177904, टेलीफैक्स : 091–26177904

ई–मेल : notowar.isd@gmail.com

वेबसाइट : www.isd.net.in

प्रकाशन वर्ष : 2020

चित्रांकन : **गौतम गोप व चंदन जायसवाल**

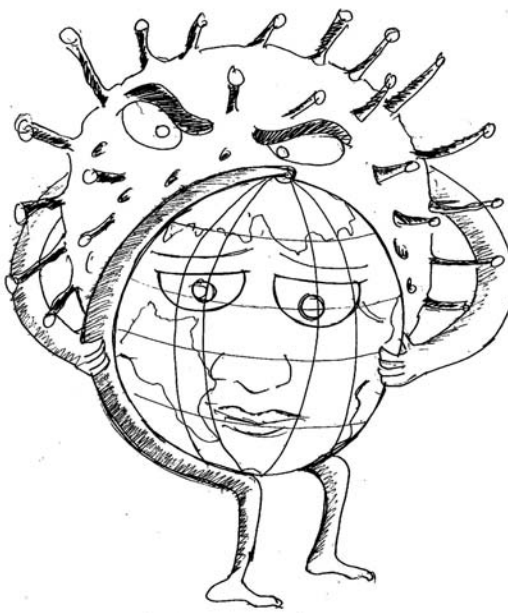

कोरोना

एक वायरस (कोविड-19). चीन से शुरू हुए इस वायरस के प्रकोप की वजह से भारत सहित लगभग पूरी दुनिया इस महामारी का शिकार बनी हुई है। यह वायरस कैसे अस्तित्व में आया, इसका प्रकोप कैसे शुरू हुआ इस बारे में नाना प्रकार की भ्रांतियां हैं। परंतु वास्तविकता यही है कि न तो इन भ्रांतियों का कोई अंत है और न ही फिलहाल कोरोना से फैली विश्व महामारी का कोई अंत नज़र आ रहा है... ऐसा नहीं है कि विश्व महामारी का यह प्रकोप मानव सभ्यता पहली बार झेल रही है। इससे पहले भी इस तरह के प्रकोप मानव सभ्यता झेल चुकी है।

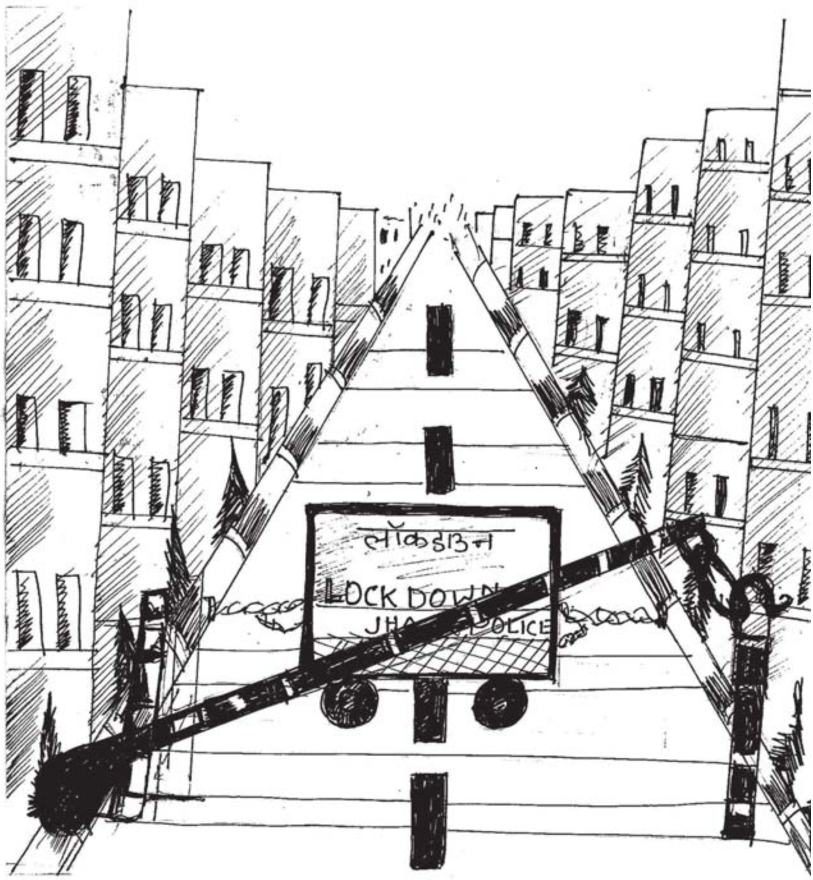

परिभाषा

इस वायरस की वजह से उत्पन्न **संक्रमण की रोकथाम के लिए** हिंदी भाषा में इसकी एक परिभाषा **-कोई रोड पर ना निकले-** गढ़ी गई। जो एक हद तक मददगार थी। साथ ही **Stay Home Stay Safe (घर पर रहें सुरक्षित रहें)** का नारा दिया गया।

बदलती ज़िंदगी

कोरोना की वजह से हमारी ज़िंदगी में अनेक बदलाव आए। हमारी दिनचर्या में कुछ नई चीज़ों ने अपनी जगह बनाई। जैसे कि **हैंड सैनेटाइज़र, मास्क** और **दस्ताने।** साथ ही **वर्क फ्रॉम होम** और **ऑनलाइन एजुकेशन** जैसी प्रणाली **नौकरीपेशा** और **विद्यार्थियों** की ज़िंदगी में शामिल हो गई।

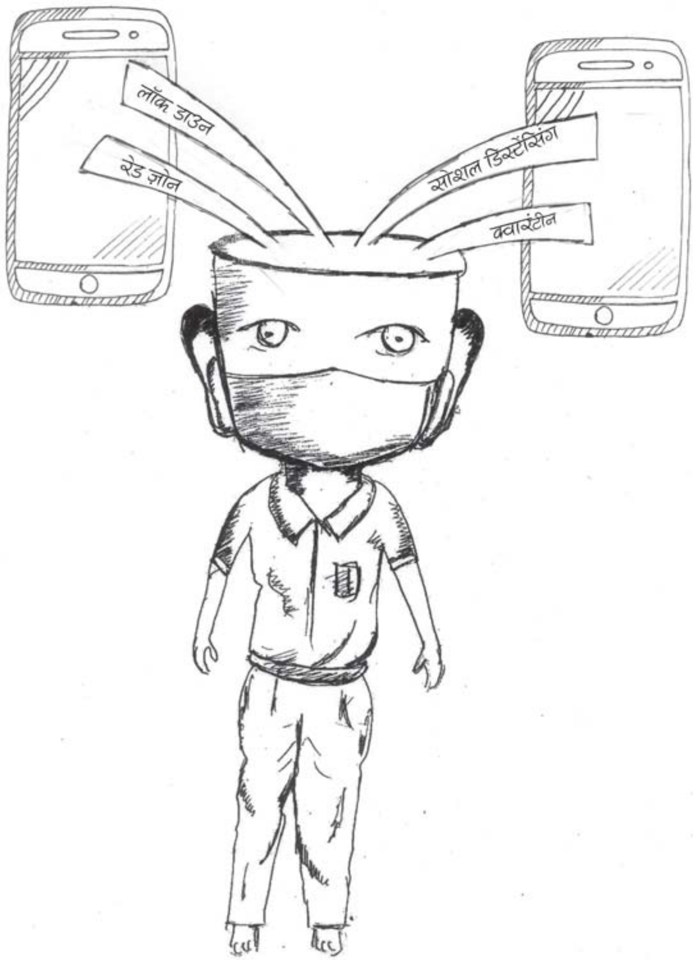

नई शब्दावली

जिस तरह हमारी दिनचर्या में कुछ नई चीज़ों ने अपनी जगह बनाई, उसी तरह से कुछ नए शब्द भी हमारी बोलचाल की भाषा में शामिल हो गए। जैसे कि **लॉक डाउन, रेड ज़ोन, सोशल डिस्टेंसिंग** अर्थात् **सामाजिक दूरी, इम्युनिटी** और **क्वारंटीन** आदि।

नए नज़ारे

इस महामारी की वजह से दुकानों के आगे और सड़कों में दो चीज़ें नज़र आने लगीं -**गोल घेरे** और **रस्सियां**। गोले घेरे दुकान के बाहर **ग्राहकों के बीच** और रस्सियाँ **दुकानदार व ग्राहकों के बीच** एक से दो मीटर की **शारीरिक दूरी** बनाए रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने लगे। बहुत-सी दुकानों में **नोटों के आदान-प्रदान में सेनेटाइज़र का प्रयोग** होने लगा। कई प्रतिष्ठानों में **प्रवेश से पहले टेम्परेचर चैक** किया जाने लगा और **लोगों को सैनेटाइज**।

समाज में बढ़ती दूरियां

इस महामारी की वजह से न केवल स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा बल्कि **सामाजिक, आर्थिक** और **राजनैतिक हालात** भी पहले से ज्यादा ख़राब हो गए। ऐसे दौर में **मीडिया** ने कोरोना सम्बन्धित समाचारों को जिस तरह से दिखाया उसने **समाज में दूरियों** को और ज्यादा बढ़ा दिया।

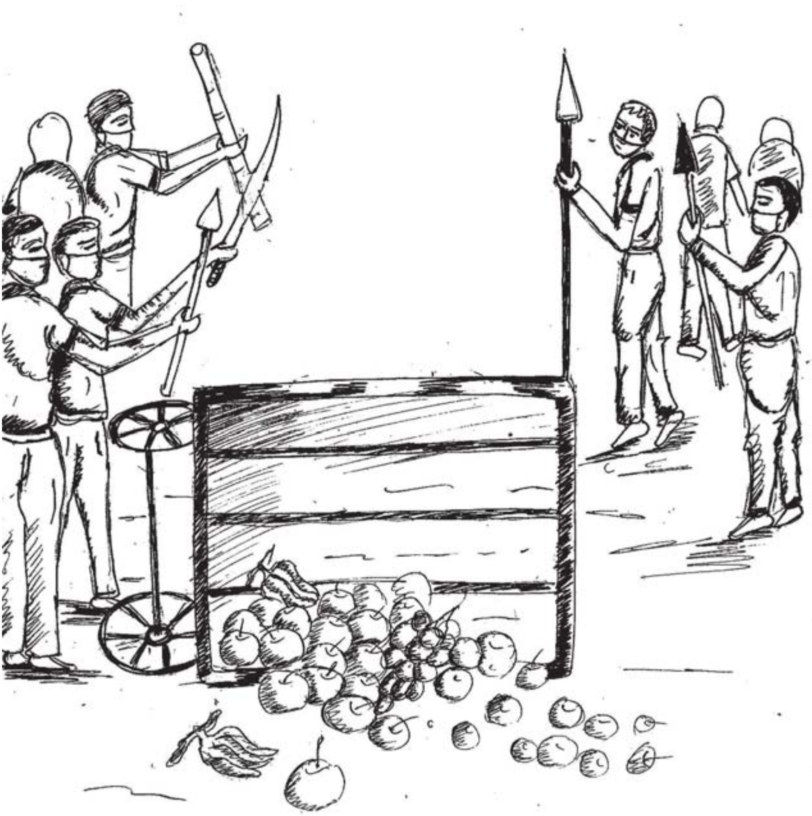

शब्द के दुष्परिणाम

यूँ सोशल डिस्टेंसिंग यानी सामाजिक दूरी जैसे शब्द को संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए इस्तेमाल किया गया था, लेकिन फिर उसके **दुष्परिणाम** नज़र आने लगे। जैसे-जैसे संक्रमण को रोकने के लिए लॉकडाउन की समय-सीमा बढ़ती गई समाज में **जातीय**, **धार्मिक**, **क्षेत्रीय** और **जेंडरगत भेदभाव** (ख़ासकर **महिला हिंसा**) जैसे **तनाव-टकराव** उभर कर सामने आने लगे।

असंवेदनशीलता

जहाँ हमें संक्रमण की चैन को रोकने/तोड़ने के लिए एक-दूसरे से **फिजिकल डिस्टेंसिंग (शारीरिक दूरी)** बनानी थी, वहां पर हम **सोशल डिस्टेंसिंग (सामाजिक दूरी)** बनाकर एक-दूसरे के प्रति **असंवेदनशील** हो गए...

भेदभाव

...नार्थ ईस्ट के लोगों और मिनी चाइना कहे जाने वाले कोलकात्ता के चाइना टाउन क्षेत्र मे रहने वाले चीनी लोगों को **कोरोना वायरस** शब्द से संबोधित करना, किसी मृतक के परिवार को **अर्थी के लिए कंधे कम पड़ना**, एक-दूसरे को **शक की निगाह से घूरती आंखें** और **आपसी रिश्तों में बढ़ती दूरियां**, कोरोना पीड़ित व उसके परिवार के प्रति **भेदभाव** और कोरोना से जंग लड़ रहे स्वास्थ्य कर्मियों (डॉक्टर्स, नर्स, सफाईकर्मी आदि) पर **हमला करने** से लेकर उन्हें **अपशब्द कहने** व **घरों से बाहर निकालने** के तौर पर नज़र आने लगा।

बदलती परिभाषा

इस भेदभाव ने सामाजिक दूरी की परिभाषा ही बदल दी। एक तरह से सोशल डिस्टेंसिंग जिस भारतीय समाज की व्यवस्था का हिस्सा है, कोरोना की सोशल डिस्टेंसिंग ने उसको और मजबूती प्रदान की और एक **नए प्रकार की छूआछूत** को जन्म दिया।

वास्तविकता

जब चारों तरफ संकट है। तनाव और टकराव नए-नए रूपों में दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है तब सिर्फ स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याओं पर विचार कर इसे दूर नहीं किया जा सकता। हमें **तनाव-टकराव** और **सामाजिक दुष्प्रभावों** से बचने के लिए भी **प्रयास** करने होंगे ताकि समाज में **शांति** बनी रही।

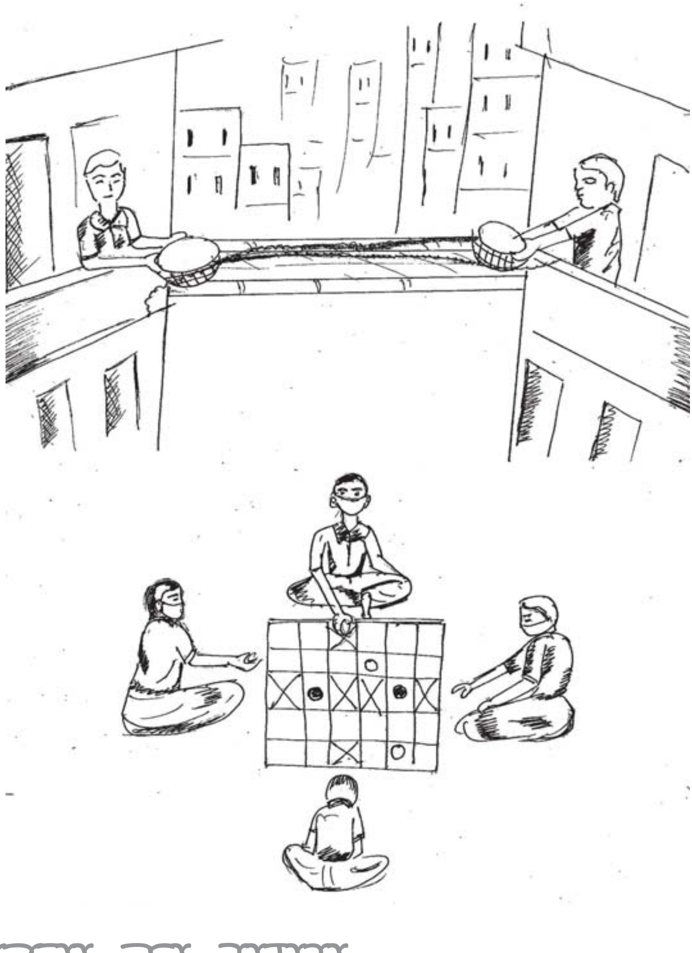

एकजुटता का समय

कोरोना का यह संकटकालीन समय **सामाजिक और पारिवारिक तौर पर एकजुट** होने का समय है। हमें फिजिकल डिस्टेंसिंग (शारीरिक दूरी) की ज़रूरत है ना कि सोशल डिस्टेंसिंग (सामाजिक दूरी) की। एक-दूसरे के प्रति **सौहार्द** की ज़रूरत है संदेह की नहीं। **प्रेम** की ज़रूरत है घृणा की नहीं।

संवेदनशीलता

संक्रमण से बचाव हेतु सामाजिक दूरी की जगह शारीरिक दूरी आप अवश्य बनाएं परंतु **संवेदनशीलता के साथ अपने स्तर पर या किसी समूह के साथ जुड़कर मदद के लिए भी हाथ अवश्य बढ़ाएं।** मुंह पर मास्क अवश्य लगाएं परंतु **संवाद में निरंतरता बरकरार रखें।** सामाजिक उत्तरदायित्व के जो **नैतिक मूल्य** साझी विरासत के तौर पर हमें अपनी पुरानी पीढ़ियों से मिले हैं उनको दृढ़ता के साथ अमल में लाने का यही सही समय है। वरना वह दिन दूर नहीं जब हमें रिश्तों की नई परिभाषा के साथ ज़िंदगी गुजारनी पड़ेगी और हमारी साझी संस्कृति का ताना-बाना छिन्न-भिन्न हो जाएगा।

साझी संस्कृति

हमें खुद को याद दिलाना है कि किस प्रकार देश में हर एक नागरिक किसी-न-किसी रूप में **एक-दूसरे से जुड़ा है।** घर-आँगन में बैठकर अपनी यादों में बसी साझी संस्कृति की उन कड़ियों **(लोकगीत, लोकसंगीत, लोकनृत्य, खेल-कूद, बोली-भाषा, खान-पान, पहनावा, मेले-त्यौहार आदि)** को याद करना होगा जो हमें एक-दूसरे से जोड़ती हैं।

इंसानियत को बचाएं

आइए ! हम अपने आपको पूर्वजों से मिले **नैतिक मूल्यों** की कसौटी पर परखें। व्यक्तिवादिता से ऊपर उठकर **साझी विरासत** के तौर पर मिले संतों के **प्रेम** और **भाईचारे** के संदेश को चरितार्थ करें। समाज के बारे में सोचे-विचारें। संकट के इस दौर में **इंसानियत को बचाएं। इंसान पर इंसान के भरोसे को बचाएं** तभी समाज नाम की इकाई में **शांति-सौहार्द** कायम रह पाएगा।

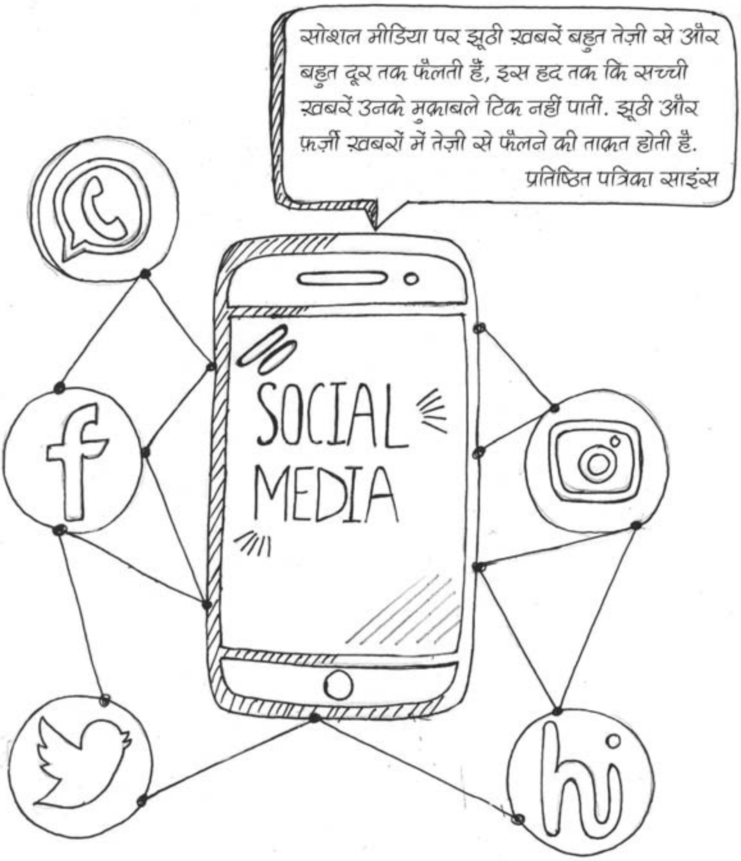

जागरूकता

बदलते समय के अनुसार हमें **स्वास्थ्य के प्रति जागरूक** होने के साथ ही साथ **एक जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य** भी निभाना है। मीडिया व सोशल मीडिया में उड़ती ऊट-पटांग ख़बरों में भरोसा कर उन्हें शेयर करने से पहले उसकी **सच्चाई** को अवश्य जानें।

isd **इंस्टीट्यूट फॉर सोशल डेमोक्रेसी**

फ्लैट नम्बर–110, नम्बरदार हाउस, 62–ए, लक्ष्मी मार्केट, मुनिरका, नई दिल्ली–110067

टेलीफोन : 091–26177904, टेलीफैक्स : 091–26177904

ई–मेल : notowar.isd@gmail.com /वेबसाइट : www.isd.net.in

केवल सीमित वितरण के लिए

मुद्रण : डिजाइन एण्ड डाइमेन्शंस, एल–5 ए, शेख सराय, फेज-II, नई दिल्ली–110017